Daily Current Affairs

Date : 08 July, 2026

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना – 2026
2.	राजस्थान में पहली बार 'दिशा' पाठ्यक्रम लागू
3.	नर्मदा अवार्ड के लंबित भुगतान के निपटारे संबंधी समझौता
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. क्लाइमेट एंड ग्रीनहाउस गैस रेफरेंस स्टेशन: बीकानेर 2. राष्ट्रीय आइस हॉकी चैंपियनशिप में राजस्थान 3. निलेश कुमार: एशियन बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक 4. विश्व का सबसे छोटा सोने-चाँदी का जगन्नाथ रथ 5. चार प्रमुख पार्कों का नाम 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर' 6. द्वितीय उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय एग्रीविजन सम्मेलन–2026 7. ऑपरेशन विषवाहिनी 8. जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लान
5.	हिमालय के संवेदनशील क्षेत्र
6.	भारत में जल सुरक्षा
7.	मतदान का अधिकार
8.	माई भारत (Mera Yuva Bharat)
9.	महेंद्रगिरि स्टील्थ फ्रिगेट

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना – 2026

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राज्य सरकार द्वारा 'राजस्थान होमस्टे (पेइंग गेस्ट हाउस) योजना – 2026' के अंतर्गत होमस्टे के पंजीकरण एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन कर दिया गया।

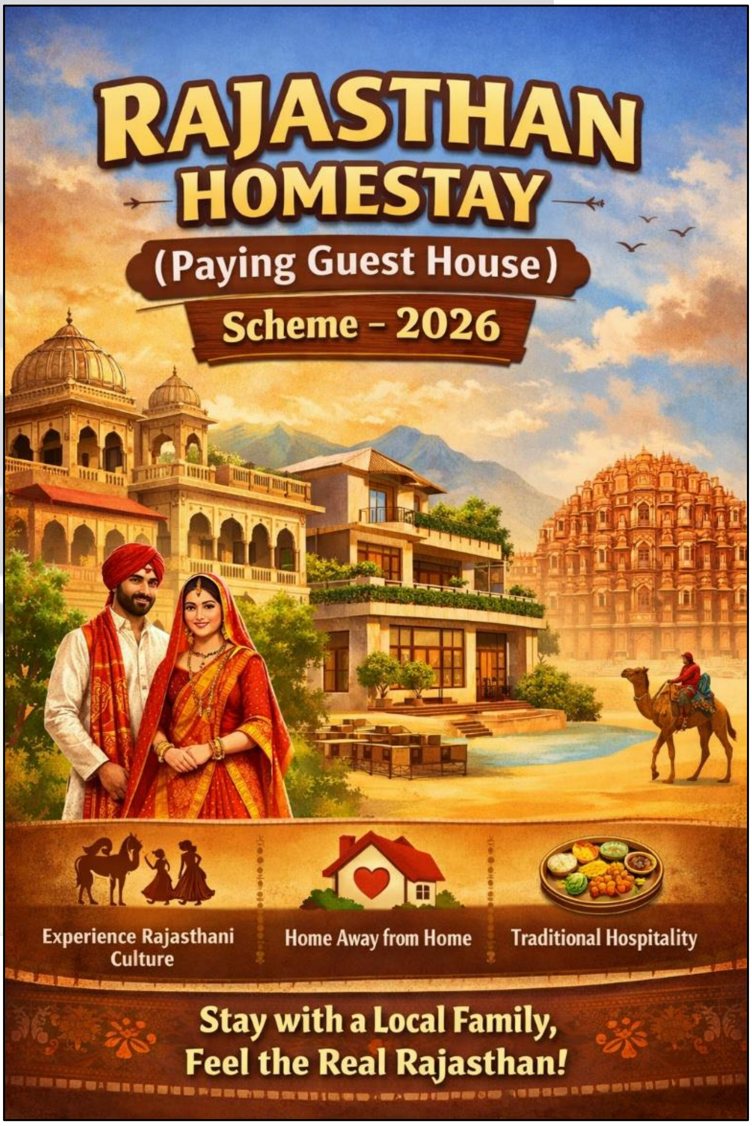

मुख्य बिन्दु:

- उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार ने पर्यटन-विकास, ग्रामीण आय-वृद्धि और स्वरोज़गार को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ाने के उद्देश्य से 'राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना – 2026' लॉन्च की।
- ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली लागू होने से पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया तेज होगी, आवेदनों के निस्तारण में पारदर्शिता आएगी तथा पर्यटकों को किफायती दरों पर बेहतर आवास सुविधा मिलेगी।
- **योजना का संबंधित विभाग:** राजस्थान पर्यटन विभाग।
- यह योजना राज्य में 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' और 'ईज ऑफ लिविंग' की अवधारणा को सशक्त करेगी। साथ ही, पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा देगी।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- योजना को केंद्र सरकार के डिरेगुलेशन 2.0 उपायों और ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस की भावना के अनुरूप सरलीकृत किया गया है।

योजना की मुख्य विशेषताएँ और शर्तें:

- 'राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना–2026' के तहत प्रति आवासीय इकाई अनुमत कमरों की अधिकतम संख्या 5 से बढ़ाकर 8 कर दी गई है, जबकि अधिकतम बैड क्षमता 24 निर्धारित की गई है।
- योजना के तहत होमस्टे इकाई का संचालन संपत्ति स्वामी, लीजधारी या निर्धारित मानकों के अनुसार नियुक्त केयरटेकर द्वारा किया जा सकेगा। इससे पूर्व होमस्टे योजना में अधिकतम 5 कमरें ही अनुमत थे एवं आवास मालिक का रहना अनिवार्य था।
- **श्रेणियाँ:** योजना के अंतर्गत होमस्टे को सिल्वर और गोल्ड श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।
- **पंजीकरण शुल्क:** सिल्वर श्रेणी के लिए ₹1000 और गोल्ड श्रेणी के लिए ₹2000 निर्धारित।

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न. राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना–2026 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. योजना के तहत प्रति आवासीय इकाई अनुमत कमरों की अधिकतम संख्या 5 से बढ़ाकर 8 कर दी गई है।
2. योजना में अधिकतम बैड क्षमता 24 निर्धारित की गई है।
3. होमस्टे इकाई का संचालन केवल संपत्ति स्वामी द्वारा ही किया जा सकता है।
4. योजना के अंतर्गत होमस्टे को सिल्वर और गोल्ड श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल 1, 2 और 4

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2, 3 और 4

(d) उपर्युक्त सभी

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान में पहली बार 'दिशा' पाठ्यक्रम लागू

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान में पहली बार बौद्धिक और विकासात्मक दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और कौशल विकास के लिए 'दिशा' पाठ्यक्रम मॉडल को लागू करने की शुरुआत की गई है।

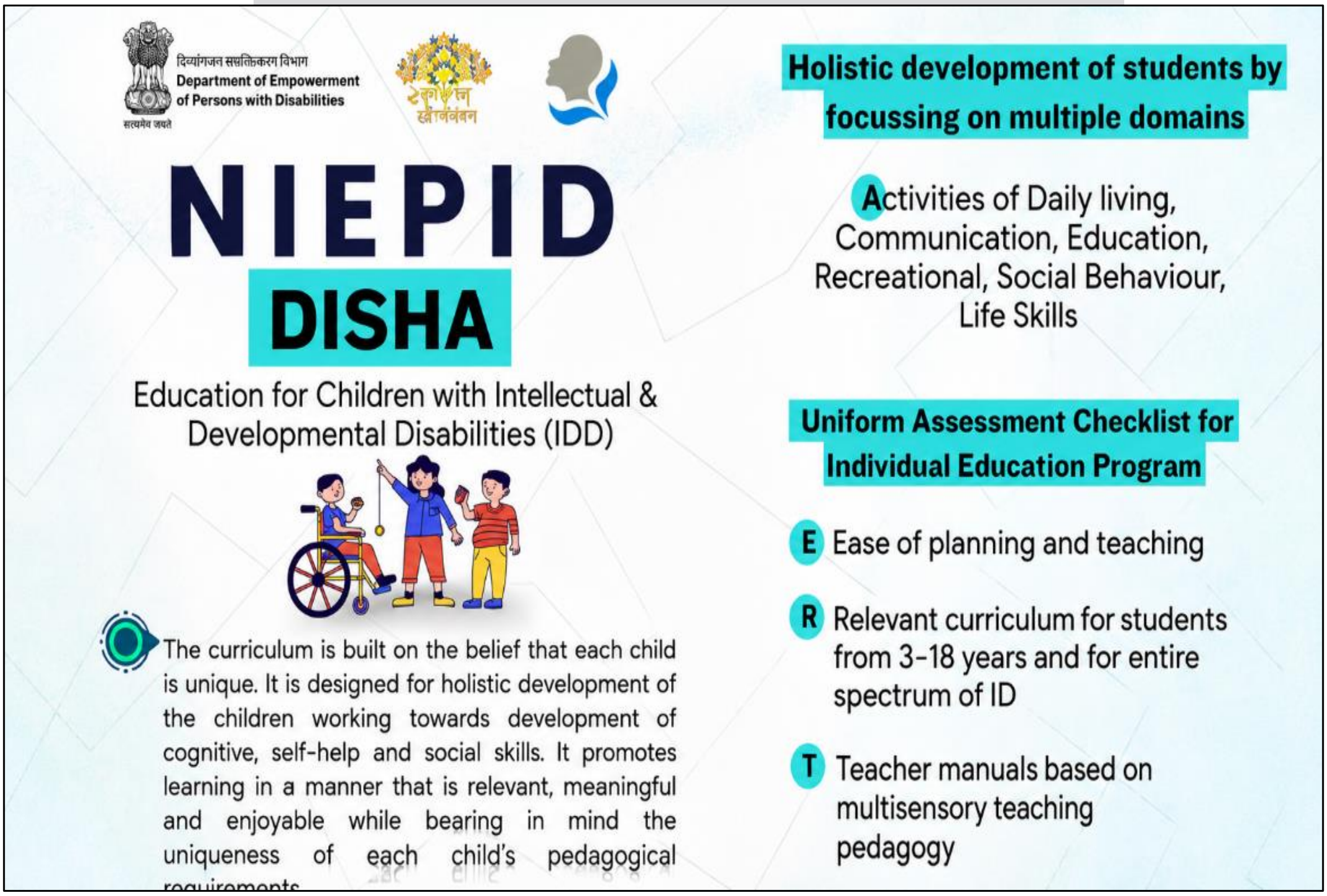

मुख्य बिन्दु:

- इस राष्ट्रीय मॉडल को अपनाने वाला राजस्थान देश का नौवाँ राज्य है।
- **प्रथम चरण की शुरुआत:** 7 से 9 जुलाई, 2026 तक जयपुर में 23 जिलों के 52 विशेष विद्यालयों के 100 विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षण।
- **प्रशिक्षण स्थल:** अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

'दिशा' पाठ्यक्रम का उद्देश्य और स्वरूप:

- 'दिशा' पाठ्यक्रम विशेष शिक्षा के क्षेत्र में एक मानकीकृत और बहु-संवेदी शैक्षिक ढाँचा है। इसे राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (NIEPID) और जय वकील फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।
- **लक्षित समूह:** यह विशिष्ट रूप से 3 से 18 वर्ष की आयु के बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांग बच्चों के शैक्षणिक, सामाजिक और व्यावसायिक विकास के लिए तैयार किया गया है।
- **दृष्टिकोण:** बच्चों को दैनिक जीवन के कौशल, संचार, सामाजिक व्यवहार, गणित, पर्यावरण विज्ञान, डिजिटल साक्षरता और कला आदि सिखाने के लिए देखने, सुनने तथा छूकर सीखने (VAKT) की पद्धतियों का उपयोग किया जाता है।

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न. राजस्थान में लागू किए जा रहे 'दिशा' पाठ्यक्रम मॉडल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

1. राजस्थान 'दिशा' पाठ्यक्रम मॉडल को अपनाने वाला देश का नौवाँ राज्य है।
2. प्रथम चरण में जयपुर में 23 जिलों के 52 विशेष विद्यालयों के 100 विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
3. 'दिशा' पाठ्यक्रम केवल 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सामान्य बच्चों के लिए तैयार किया गया है।
4. यह पाठ्यक्रम देखने, सुनने तथा छूकर सीखने यानी VAKT पद्धति पर आधारित है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य है?

(a) केवल 1, 2 और 4
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) उपर्युक्त सभी

नर्मदा अवार्ड के लंबित भुगतान के निपटारे संबंधी समझौता

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के मध्य नर्मदा अवार्ड के लंबित भुगतान के निपटारे पर एक समझौता सम्पन्न हुआ।

मुख्य बिन्दु:

- यह समझौता सरदार सरोवर परियोजना की निर्माण लागत में राज्यों की हिस्सेदारी से जुड़े लंबित विवादों के अंतिम निपटारे (वन-टाइम सेटलमेंट) का मार्ग प्रशस्त करता है।
- नर्मदा जल विवाद प्राधिकरण द्वारा वर्ष 1979 में अवार्ड के माध्यम से राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात एवं महाराष्ट्र के मध्य जल आवंटन किया गया था।
- इस अवार्ड के अंतर्गत क्लॉज IV/5 के प्रावधान के अनुसार कोई भी राज्य मानसून काल के दौरान उपलब्ध अधिशेष जल का उपयोग अपने राज्य में कर सकता है। यह अधिशेष जल उस राज्य के खाते में नहीं जोड़ा जाएगा।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- मानसून काल के दौरान प्राप्त होने वाले अधिशेष जल के भण्डारण हेतु वर्ष 2026–27 की बजट घोषणा के क्रम में DPR तैयार करवाई जा रही है। इससे पश्चिमी राजस्थान के वंचित क्षेत्रों को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

नर्मदा नहर परियोजना:

- नर्मदा नहर परियोजना राजस्थान और गुजरात की संयुक्त परियोजना है।
- **कुल लंबाई:** गुजरात के सरदार सरोवर बाँध से निकलने वाली इस नहर की कुल लंबाई 532 किलोमीटर (गुजरात – 458, राजस्थान – 74 किलोमीटर) है।
- **राजस्थान में प्रवेश:** सांचौर के सीलू गाँव से।
- **राजस्थान में मुख्य नहर की लंबाई:** 74 किलोमीटर।
- **लाभान्वित जिले:** जालौर और बाड़मेर।
- **स्प्रिंकलर (फव्वारा) सिंचाई:** यह राजस्थान की एकमात्र ऐसी सिंचाई परियोजना है, जहाँ कृषि के लिए स्प्रिंकलर या ड्रिप सिंचाई पद्धति का उपयोग अनिवार्य है।

प्रारम्भिक परीक्षा हेतु अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न. नर्मदा नहर परियोजना राजस्थान में किस गाँव से प्रवेश करती है?

(a) सीलू गाँव
(b) मोहनगढ़ गाँव
(c) गडरा रोड गाँव
(d) बाखासर गाँव

प्रश्न. नर्मदा नहर परियोजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. नर्मदा नहर परियोजना राजस्थान और गुजरात की संयुक्त परियोजना है।
2. गुजरात के सरदार सरोवर बाँध से निकलने वाली इस नहर की कुल लंबाई 532 किलोमीटर है।
3. यह राजस्थान की एकमात्र ऐसी सिंचाई परियोजना है, जहाँ कृषि के लिए स्प्रिंकलर या ड्रिप सिंचाई पद्धति का उपयोग अनिवार्य है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**क्लाइमेट एंड ग्रीनहाउस गैस रेफरेंस स्टेशन: बीकानेर** ■ बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय (BTU) एवं भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे के मध्य समझौते के तहत BTU परिसर बीकानेर में 'क्लाइमेट एंड ग्रीनहाउस गैस रेफरेंस स्टेशन' की स्थापना की जाएगी। ■ इस स्टेशन में शुष्क एवं मरुस्थलीय क्षेत्र में दीर्घकालिक जलवायु, मौसम एवं ग्रीनहाउस गैसों से संबंधित उच्च गुणवत्ता का वैज्ञानिक डाटा संकलित किया जाएगा। ■ इस स्टेशन में जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापन, लू और मरुस्थलीकरण जैसी चुनौतियों से संबंधित अनुसंधान किया जाएगा। इस स्टेशन से थार क्षेत्र की जलवायु पर उच्च गुणवत्ता का वैज्ञानिक डेटा उपलब्ध होगा।
2.	**राष्ट्रीय आइस हॉकी चैंपियनशिप में राजस्थान** ■ देहरादून के हिमाद्री आइस हॉकी रिंक में आयोजित राष्ट्रीय सीनियर आइस हॉकी चैंपियनशिप - 2026 में राजस्थान की पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। ■ क्वार्टर फाइनल में राजस्थान को इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (ITBP) ने 8-3 से हराया। ■ यह राजस्थान की आइस हॉकी टीम का विगत पाँच वर्षों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।
3.	**निलेश कुमार: एशियन बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक** ■ राजस्थान के निलेश कुमार ने 16वीं साउथ एशियन बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। ■ इस प्रतियोगिता का आयोजन भूटान के थिम्फू में किया गया।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

4.	**विश्व का सबसे छोटा सोने-चाँदी का जगन्नाथ रथ** ■ डॉ. इकबाल सक्का (उदयपुर) ने विश्व का सबसे छोटा सोने-चाँदी का जगन्नाथ रथ तैयार किया। ■ **रथ का आकार:** 1×1 सेंटीमीटर। ■ **वजन:** इसे बनाने में 7 ग्राम चाँदी और 300 मिलीग्राम सोना लगा। ■ इस रथ में मूंग के दाने से भी छोटी भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा स्थापित है, जिसे देखने के लिए लेंस की आवश्यकता होती है।
5.	**चार प्रमुख पार्कों का नाम 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर'** ■ 6 जुलाई, 2026 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के चार प्रमुख पार्कों का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखने की घोषणा की। 1. जयपुर का वुडलैंड पार्क। 2. जोधपुर का विवेक विहार स्थित सेंट्रल पार्क। 3. उदयपुर का सेक्टर-12 योजना स्थित पार्क। 4. कोटा के रामचंद्रपुरा अटवाल नगर स्थित पार्क।
6.	**द्वितीय उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय एग्रीविजन सम्मेलन–2026** ■ **आयोजन:** 8 और 9 अगस्त, 2026 को उदयपुर में। ■ **सम्मेलन का मुख्य विषय:** "कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार एवं उद्यमिता विकास में युवाओं की भूमिका"।
7.	**ऑपरेशन विषवाहिनी** ■ ऑपरेशन विषवाहिनी राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जा रहा एक नशा-विरोधी अभियान है। ■ इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में अवैध मादक पदार्थों और प्रतिबंधित केमिकल्स की तस्करी करने वाले नेटवर्क को ध्वस्त करना है।
8.	**जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लान** ■ हाल ही में, कोटा-बूँदी संसदीय क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को शून्य करने के संकल्प के साथ 'जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लान' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। ■ **आयोजन स्थल:** कोटा।

भूगोल एवं भू-विज्ञान

हिमालय के संवेदनशील क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

- जम्मू-कश्मीर की चिनाब घाटी में भारी बारिश के कारण भीषण बाढ़ और भूस्खलन हुआ।

मुख्य बिन्दु:

बाढ़

- **परिभाषा:** तीव्र वर्षा, बर्फ के तेजी से पिघलने, बांध/तट के टूटने या बर्फ के जमने के कारण कुछ ही घंटों के भीतर उत्पन्न होने वाली अचानक, अल्पकालिक और अत्यधिक स्थानीयकृत बाढ़, जिसमें चेतावनी और प्रतिक्रिया के लिए बहुत कम समय बचता है।
- **अन्य हालिया घटनाएँ:** चेन्नई (2015), केरल (2018), असम (2024), आदि।

हिमालय में अचानक आने वाली बाढ़ के प्रमुख कारण

- **जलवायु एवं मौसम संबंधी कारक:** बादल फटना, तीव्र वर्षा, पश्चिमी विक्षोभ-मानसून की परस्पर क्रिया, जलवायु परिवर्तन और वायुमंडलीय एरोसोल अत्यधिक वर्षा और अचानक बाढ़ का कारण बनते हैं।
- **हिमनदी झील विस्फोट बाढ़ (GLOFs):** हिमनदों से निकलने वाली नदियों में बर्फ के टुकड़ों के पिघलने के कारण बड़ी मात्रा में बंधे हुए पानी का अचानक निकलना।
- **भौगोलिक कारक:** उच्च ऊँचाई और खड़ी ढलानें तीव्र वर्षा और तीव्र सतही अपवाह को बढ़ावा देती हैं।
- **मानवजनित कारक:** अनियोजित अवसंरचना (बांध, सड़कें), अवैज्ञानिक पहाड़ी कटाई, ढलानों का अपर्याप्त स्थिरीकरण और निर्माण मलबे का अनुचित निपटान ढलानों को अस्थिर करते हैं, जल निकासी में बाधा डालते हैं और अचानक आने वाली बाढ़ को तीव्र करते हैं।

MODEL RAS MAINS QUESTION:

Q. हिमालय की भौगोलिक और स्थलाकृतिक विशेषताएँ किस प्रकार अचानक आने वाली बाढ़ (Flash Floods) की तीव्रता को बढ़ा देती हैं? स्पष्ट कीजिए।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

भारत में जल सुरक्षा

चर्चा में क्यों?

- ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) द्वारा किए गए शोध से पता चलता है कि भारत के 15 प्रमुख नदी बेसिनों में से 11 जल संकट का सामना कर रहे हैं (जहाँ प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता 1,700 घन मीटर से कम है)।

मुख्य बिन्दु:

- जल संकट एक मौसमी असुविधा से विकसित होकर एक स्थायी संरचनात्मक जोखिम बन गया है, जो घरों, कृषि, उद्योग और शहरी अर्थव्यवस्थाओं को खतरे में डाल रहा है।

भारत में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ

- **सीमित मीठे पानी के संसाधन:** भारत में विश्व की लगभग 18% जनसंख्या है, लेकिन वैश्विक मीठे पानी के संसाधनों का केवल लगभग 4% हिस्सा ही भारत के पास है।
- **शहरी जल उपलब्धता में गिरावट:** दिल्ली में वास्तविक जल आपूर्ति घटकर 1,250 मिलियन गैलन की कुल दैनिक मांग का लगभग 70% रह गई है।
- **मौसमी वर्षा का पैटर्न:** वार्षिक वर्षा लगभग 70% तीन महीनों के भीतर होती है , जिससे विभिन्न ऋतुओं में पानी की उपलब्धता अत्यधिक असमान हो जाती है।
- अल नीनो जैसे कारकों के कारण जून, 2026 में मानसून की बारिश में भी 40% की कमी आई है ।
- **बुनियादी ढाँचे की कमियाँ:** जैसे कि अपशिष्ट जल के उपचार के लिए अपर्याप्त सुविधाएं, जल प्रदूषण का उच्च स्तर, आदि।

भारत में जल सुरक्षा प्राप्त करने की रणनीतियाँ

- **जलवायु-प्रतिरोध:** निचले या तटीय क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण शहरी अवसंरचनाओं की सुरक्षा के लिए जल अवसंरचना का जलवायु जोखिम मानचित्रण करना ।
- लचीली नगरपालिका जल प्रणालियों के वित्तपोषण के लिए अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) जैसे मौजूदा तंत्रों का लाभ उठाएं।
- **शहरी जल पुन: उपयोग:** अपशिष्ट जल का उपचार और पुन: उपयोग करके डेटा केंद्रों को ठंडा करने जैसी गतिविधियों के लिए एक चक्रीय जल दृष्टिकोण की ओर अग्रसर होना।

- **सूक्ष्म सिंचाई का विस्तार:** इसके लिए छोटे किसानों के लिए सब्सिडी को फिर से डिजाइन करने और पीएमएफबीवाई के तहत कम लागत वाला बीमा प्रदान करने की आवश्यकता है।
- **नदी बेसिन स्तर का डेटा तैयार करना:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का बड़े पैमाने पर उपयोग करके, केवल जल की उपलब्धता का अनुमान लगाने के बजाय वास्तविक खपत, निकासी और नुकसान को मापकर मैट्रिक्स संबंधी कमियों को दूर करना।

RAS MAINS MODEL QUESTION:

Q. जल प्रबंधन के संदर्भ में 'चक्रीय जल दृष्टिकोण' (Circular Water Approach) से क्या तात्पर्य है?

UTKARSH CIVIL SERVICES

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

मतदान का अधिकार

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देने की मांग उठाई गई थी।

मुख्य बिन्दु:

- **भारत में मतदान के अधिकार**
    - यह एक संवैधानिक अधिकार है।

संबंधित संवैधानिक प्रावधान:

- **अनुच्छेद 325:** धर्म, जाति, नस्ल या लिंग के आधार पर कोई भी व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने के लिए अयोग्य नहीं होगा।
- **अनुच्छेद 326:** वयस्क मताधिकार (18 वर्ष से अधिक आयु) के आधार पर लोकसभा और राज्य विधान सभाओं के चुनाव।
- **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) के अंतर्गत संबंधित धाराएँ**
    - **आरपीए, 1951 की धारा 62:** यह मतदान के अधिकार से संबंधित है और इसमें एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान न कर पाने, जेल में बंद होने की स्थिति में मतदान की अनुमति न होने आदि जैसे प्रतिबंध निर्दिष्ट किए गए हैं।
    - **आरपीए, 1950 की धारा 16:** इसमें मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए अयोग्यताएं निर्दिष्ट हैं।

मुख्य निर्णय

- **पीपुल्स यूनियन ऑफ सिविल लिबर्टीज केस (2003):** वोट देने का अधिकार वैधानिक है, लेकिन मतदान की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है (अनुच्छेद 19(1)(ए))।
- **अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ (2023):** इसे संवैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई, न कि वैधानिक या मौलिक अधिकार के रूप में।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

MCQ:

Q. भारत में मतदान के अधिकार के संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में कौन-सा कथन असत्य (गलत) है?

(A) अनुच्छेद 325 धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है।

(B) वर्तमान में मतदान करने की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है।

(C) हाल ही में मतदान के अधिकार को पूरी तरह से एक 'मौलिक अधिकार' घोषित कर दिया गया है।

(D) लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होते हैं।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

योजनाएँ एवं नीतियाँ

माई भारत (Mera Yuva Bharat)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने युवाओं की प्रतिभा को पोषित करने और उसे राष्ट्र निर्माण की दिशा में निर्देशित करने में 'एमवाई भारत' की भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य बिन्दु:

माई भारत

- युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में अक्टूबर, 2023 में एमवाई भारत (मेरा युवा भारत) की शुरुआत की गई थी।
- यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है जो सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, गैर-लाभकारी संगठनों और उद्योग को सार्थक युवा सहभागिता बनाने के लिए जोड़ता है।
- इसका उद्देश्य स्वयंसेवा, कौशल विकास, नेतृत्व और नागरिक भागीदारी के अवसर प्रदान करके युवाओं को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में रखना है।

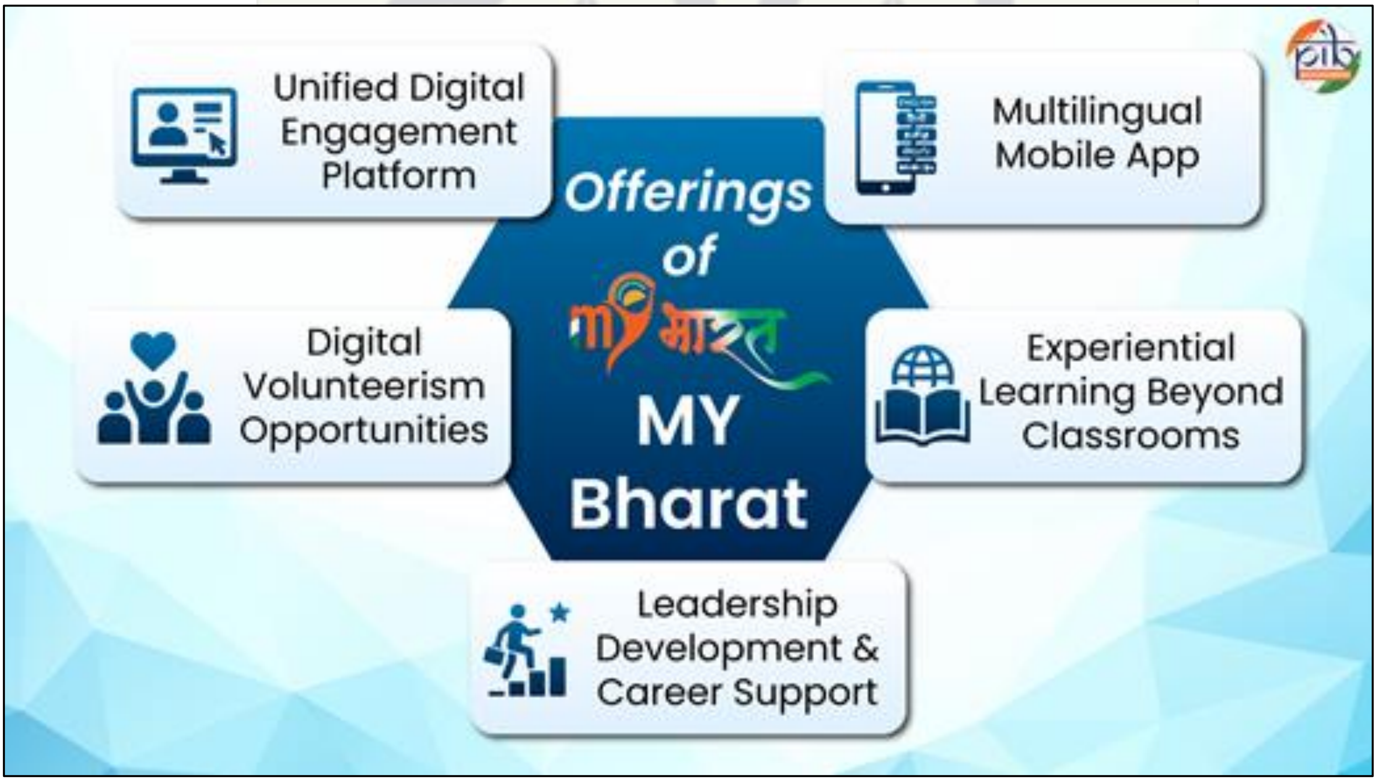

- राष्ट्रीय युवा नीति के अनुरूप यह पहल मुख्य रूप से 15-29 वर्ष आयु वर्ग के व्यक्तियों को शामिल करती है, साथ ही 10-19 वर्ष के किशोरों को प्रारंभिक भागीदारी और नागरिक जागरूकता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

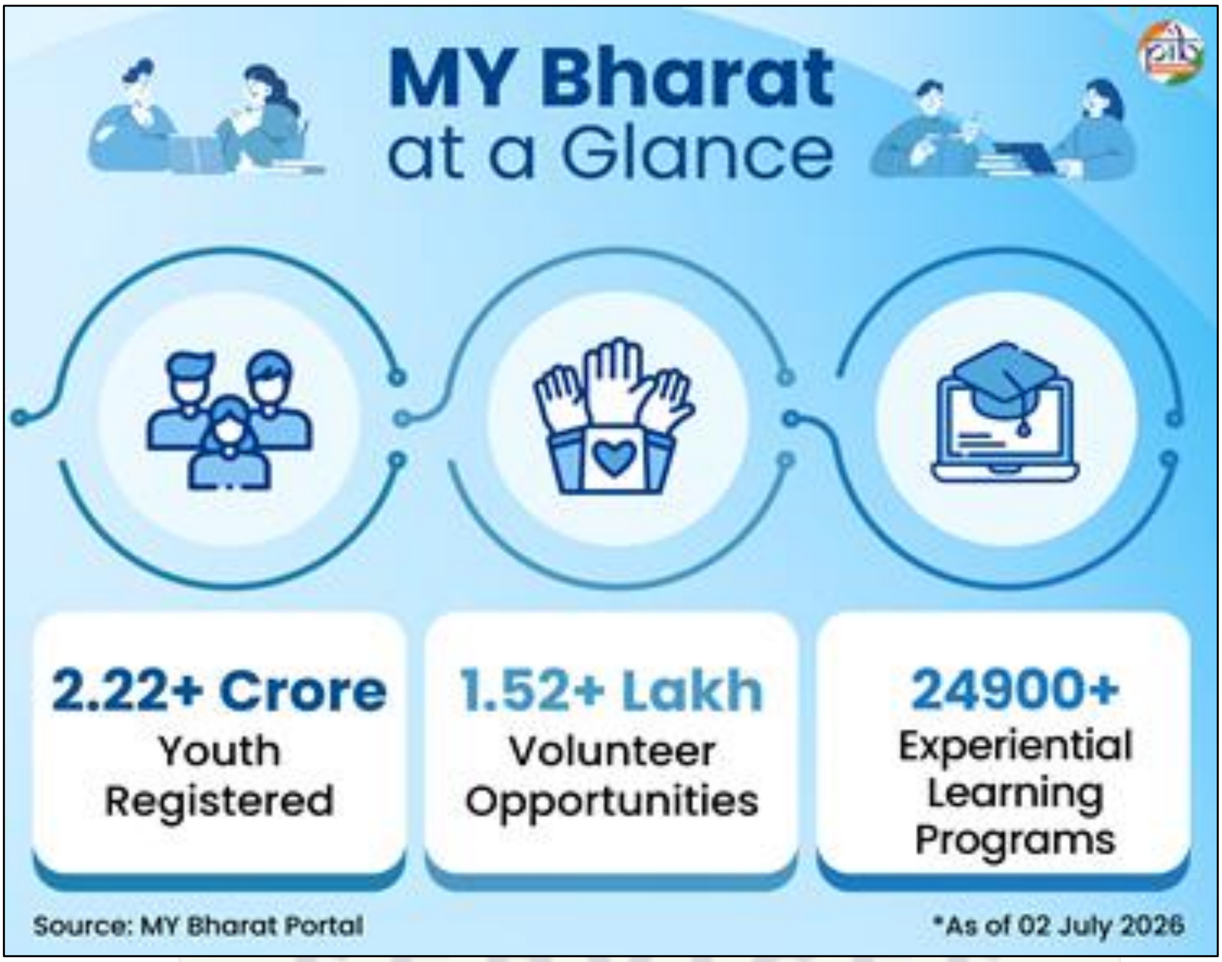

MCQ:

Q. 'एमवाई भारत' (MY Bharat) का पूर्ण रूप क्या है, जो हाल ही में चर्चा में रहा?

(A) मेरा युवा भारत (Mera Yuva Bharat)

(B) मिशन यूथ भारत (Mission Youth Bharat)

(C) मेक यूथ भारत (Make Youth Bharat)

(D) मॉडर्न युवा भारत (Modern Yuva Bharat)

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

विज्ञान प्रौद्योगिकी

महेंद्रगिरि स्टील्थ फ्रिगेट

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना विशाखापत्तनम में अपने छठे प्रोजेक्ट 17ए स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस महेंद्रगिरि को शामिल करने के लिए तैयार है।

मुख्य बिन्दु:

- प्रोजेक्ट 17ए भारतीय नौसेना की एक पहल है जिसके तहत सात उन्नत नीलगिरी श्रेणी के स्टील्थ फ्रिगेट का निर्माण किया जाएगा।

महेंद्रगिरि स्टील्थ फ्रिगेट

- इसका नाम पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पहाड़ियों के नाम पर रखा गया है।
- **निर्माता:** माज़गन डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई।
- **डिजाइनकर्ता:** भारतीय नौसेना का युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी)।

प्रमुख विशेषताएँ:

- उच्च गति और लंबी सहनशक्ति के लिए संयुक्त डीजल या गैस (CODOG) प्रणोदन द्वारा संचालित।
- कम रडार सिग्नेचर वाला उन्नत स्टील्थ डिजाइन।
- सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियाँ
- अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताएं
- व्यापक पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणालियाँ
- एकीकृत युद्ध प्रबंधन प्रणाली।

MCQ:

Q. आईएनएस महेंद्रगिरि, भारतीय नौसेना के किस प्रोजेक्ट के तहत निर्मित छठा स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट है?

(A) प्रोजेक्ट 75 (B) प्रोजेक्ट 15बी
(C) प्रोजेक्ट 17ए (D) प्रोजेक्ट 28